अंकन योजना
अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)
सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2026 (सेकेंड बोर्ड परीक्षा)
कक्षा- 10 वीं हिंदी (A), कोड- 002
प्रश्न पत्र कोड 3/8 /1

सामान्य निर्देश:

1.आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।

3. मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।

4. अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।

6. मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।

7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

8. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

9. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।

10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।

12. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

13. नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें–

- उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना
- उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना
- उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना
- उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना
- उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।

14. उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

15. उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।

16. सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।

17. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं /अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मई, 2026

प्रश्न पत्र कोड : 3/8/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक
	खंड 'क' (अपठित बोध)	**14**
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(B) हर दिन हमारे लिए नया अवसर होता है।	1
(ii)	(B) लक्ष्यहीन, अचेतन और दोहराव भरे जीवन को	1
(iii)	(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।	1
(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • मनुष्य स्वयं अपने भाग्य का विधाता • विवेकपूर्ण कर्म द्वारा अपने जीवन को सही दिशा देने की क्षमता * पर्याप्त विस्तार सहित उपयुक्त आशय लिखने पर (2 अंक) ---------- * संक्षेप में उपयुक्त आशय लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **मुख्य संदेश :** • सार्थक और सुंदर जीवन जीने का प्रयास करना • जीवन को जागरूकता और समझ के साथ जीना • जीवन में आनंद/खुशी की तलाश स्वयं अपने भीतर करना • विवेकपूर्ण कर्मों द्वारा अपने जीवन को सही दिशा देना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक)	2

	---------- * प्रश्न के संदर्भ में गद्यांश से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(B) उपेक्षित वर्ग को सम्मान और अधिकार दिलाना।	1
(ii)	(A) असंभव को संभव बनाना।	1
(iii)	(A) युवाओं के छोटे से प्रयास से ही समाज में बड़ा परिवर्तन आ सकता है।	1
(iv)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● दृढ़ संकल्प-शक्ति ● निर्णायक क्षमता ● शारीरिक सामर्थ्य (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * पर्याप्त विस्तार सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------- * संक्षेप में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * काव्य-पंक्ति के अर्थ से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- ● आशावादी ● विश्वासपूर्ण ● प्रेरणादायी ● ऊर्जावान ● सकारात्मक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------	2

	* एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	खंड 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)	**16**
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	विशेषण आश्रित उपवाक्य	1
(ii)	जो बालाजी का मंदिर है, वहीं से दिन की शुरुआत होती है।	1
(iii)	कार्तिक के आते ही बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरु हो गईं।/ कार्तिक के आने पर बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरु हुईं।	1
(iv)	बुढ़ापा आ गया था लेकिन टेक वही जवानी वाली थी।	1
(v)	सरल वाक्य	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	कर्तृवाच्य	1
(ii)	भाववाच्य	1
(iii)	बालगोबिन भगत द्वारा/ के द्वारा अपने खेत में रोपनी की गई।	1
(iv)	चलो, चला जाए।	1
(v)	उसने गीत नहीं गाया।/ वह गीत नहीं गा पाया/पाई।	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4

(i)	**शरीर**- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन	½+½=1
(ii)	**आए थे**- क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, बहुवचन, भूतकाल	½+½=1
(iii)	**बाहर की ओर**- अव्यय, संबंधवाचक	½+½=1
(iv)	**थोड़ा-सा**- विशेषण, अनिश्चित परिमाणवाचक, विशेष्य-दूध, पुल्लिंग, एकवचन	½+½=1
(v)	**वे**- सर्वनाम, अन्य पुरुषवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक	½+½=1
6.	'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	उपमा अलंकार	1
(ii)	रूपक अलंकार	1
(iii)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
(iv)	मानवीकरण अलंकार	1
(v)	अतिशयोक्ति अलंकार	1
	खंड 'ग' (पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)	**30**
7.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(A) सुर की समझ	1
(ii)	(C) कौमी एकता और भाईचारा	1
(iii)	(A) आनंदकानन	1
(iv)	(C) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।	1
(v)	(B) कथन (I), (II), (IV) सही हैं।	1
8.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	6

(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **विशेषताएँ** : • कबीर की शिक्षाओं का पालन करना • कथनी-करनी में अंतर न करना • अपने सिद्धांतों पर पूर्ण विश्वास रखना • शोक की घड़ी में भी अडिग आस्था • गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी • रूढ़ियों का विरोध • खरा व्यवहार और स्पष्टवादिता • सादगीपूर्ण जीवन • सुख-दुख में समान भाव • धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति • धैर्य, संतोष और आत्मसंयम (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त तर्कपूर्ण **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- मुझे बालगोबिन भगत के स्वभाव में कथनी-करनी में अंतर न करना पसंद है। ऐसे लोग कम होते हैं जो अपनी मान्यताओं और विश्वास पर चरम शोक में भी अडिग हों। मुझे इस उदाहरण से जीवन में सच्चे होने की प्रेरणा मिलती है। * दो विशेषताओं का उल्लेख करते हुए प्रश्न के दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (½ +½ +1=2 अंक) ---------- * किसी एक विशेषता का उल्लेख करते हुए प्रश्न के दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (½ +1=1.5 अंक) ---------- * सिर्फ दो विशेषताओं का उल्लेख करने **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * सिर्फ एक विशेषता का उल्लेख करने पर और दूसरे हिस्से का उत्तर न लिखने पर अथवा प्रश्न के संदर्भ में बालगोबिन भगत के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **<u>प्रतीक</u>** : • सच्ची देशभक्ति • देशभक्तों का सम्मान • जागरूक नागरिकता	2

	• कर्तव्यनिष्ठा (कोई एक बिंदु अपेक्षित) परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- **<u>संदेश</u> :** • देशभक्तों के आदर्शों का सम्मान करना • राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी की भावना बनाए रखना (कोई एक बिंदु अपेक्षित) * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त घटना का वर्णन करेंगे- कॉलेज से प्रिंसिपल का शिकायती पत्र आना, अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी मिलना, पिता जी का आग-बबूला होना, लेखिका का भयभीत होना, परंतु प्रिंसिपल से मिलकर कॉलेज से लौटने पर पिता जी के खुश होने की सूचना माँ द्वारा मिलना। * सही क्रमानुसार पूरी घटना लिखने पर (2 अंक) ---------- * संक्षेप में घटना लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iv)	परीक्षार्थी **संस्कृति** पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • 'सभ्यता' और 'संस्कृति' शब्दों के सही अर्थ की समझ नहीं होने के कारण मनमाना प्रयोग • इन शब्दों के साथ विशेषणों; जैसे– 'भौतिक' और 'आध्यात्मिक' का प्रयोग करने के कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना * पर्याप्त विस्तार सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------- * संक्षेप में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
9.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	5

(i)	(C) सुखद स्मृतियों के सहारे जीना	1
(ii)	(A) विस्मृत पीड़ा को कुरेदना	1
(iii)	(D) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या नहीं है।	1
(iv)	(D) (I), (II) और (III) सही हैं।	1
(v)	(A) कवि के लिए	1
10.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • मुख्य गायक के स्वर में अपना स्वर मिलाकर उसे सशक्त बनाना • तारसप्तक में मुख्य गायक के थके हुए स्वर को सँभालकर उसका उत्साह बनाए रखना • मुख्य गायक को अकेला न पड़ने देना • मुख्य गायक के जटिल तानों या अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * संगतकार के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • शिशु का पिता से अपरिचित/अनजान होना • कवि का चिर प्रवासी होना • शिशु और कवि की भेंट पहली बार होना * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक)	2

	---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • बादलों द्वारा पीड़ित-प्यासे लोगों में जीवन-संचार करना • सूखी धरती को तृप्त करना • नए अंकुर को नवजीवन प्रदान करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * कविता के आधार पर बादलों के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iv)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • मृदुभाषी- आदरपूर्वक मीठे वचनों से परशुराम को शांत करने का प्रयास करना • विनम्र- स्वयं को परशुराम का सेवक/दास बताना • शक्तिशाली- शिव-धनुष को भंग करना • मर्यादित व्यवहार- परशुराम के क्रोध का नम्रतापूर्वक उत्तर देना • साहसी- क्रुद्ध परशुराम के सामने धनुष-भंग करने की बात स्वीकार करना • धैर्यवान-परशुराम के अत्यधिक क्रोध करने पर भी धीरज बनाए रखना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * कविता के आधार पर श्री राम के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
11.	पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	8

(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **चार** बिंदुओं में उपयुक्त प्रसंगों को लिखेंगे- • बच्चे के साथ माता-पिता का स्नेहपूर्वक दैनिक जीवन- लाड़-प्यार, दुलार, कुश्ती आदि • माता का ममतामयी हठ- बहला-फुसलाकर दही-भात के कौर खिलाना, तेल, काजल आदि लगाना • पिता द्वारा बच्चे को अपने दैनिक क्रिया-कलापों में शामिल करना- पिता द्वारा भोलानाथ को तड़के उठाना, नहलाना, पूजा पर बिठाना, माथे पर भभूत लगाना, साथ बिठाकर खाना खिलाना आदि • पिता का बच्चे के प्रत्येक खेल में रुचि लेना • कष्ट के समय बच्चे द्वारा माँ के आँचल में शांति, सुकून और सुरक्षा महसूस करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * चार बिंदुओं मे उपयुक्त उत्तर लिखने पर (4 अंक) ---------- * तीन बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ---------- * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------- * एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा प्रश्न के संदर्भ में पारिवारिक परिवेश के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	4
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में स्पष्ट करेंगे- • अलौकिक प्राकृतिक सुंदरता • चाँदी की तरह चमकते बर्फ से ढके ऊँचे पहाड़ हूबहू स्विट्जरलैंड के बर्फीले दृश्यों जैसे • व्यावसायिकता से दूर, कोई 'टूरिस्ट स्पॉट' नहीं • प्रदूषणरहित शांत वातावरण (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में तर्कपूर्ण रूप से स्पष्ट करने पर (2+2=4 अंक) ---------- * किसी एक बिंदु को विस्तारपूर्वक लिखने और दूसरे बिंदु का मात्र उल्लेख करने पर (3 अंक) ----------	4

	* दो उपयुक्त बिंदुओं का उल्लेख मात्र करने पर अथवा * किसी एक बिंदु को विस्तार से लिखने पर (2 अंक) ---------- * केवल एक बिंदु का उल्लेख करने पर **अथवा** पाठ से कटाओ के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त तर्क सहित **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** **हाँ;** प्रकाशक या संपादक के आग्रह या आर्थिक आवश्यकता के आधार पर लिखते हुए भी अनुभूतिजन्य लेखन संभव है **अथवा** **नहीं;** प्रकाशक या संपादक के आग्रह या आर्थिक आवश्यकता के आधार पर लिखते समय हर बार भीतरी उन्मेष संभव नहीं परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए पाठ के आधार पर उत्तर लिखेंगे- **लेखन का उत्कृष्ट रूप :** • आंतरिक विवशता से मुक्ति के लिए लिखने पर • अनुभूति के आधार पर लिखने पर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखने पर (2+2=4 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से के लिए उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखने और दूसरे हिस्से का संक्षेप में उल्लेख करने पर (3 अंक) ---------- * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए संक्षेप में उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखने पर अथवा प्रश्न के किसी भी एक हिस्से के लिए उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखने पर अथवा पाठ के आधार पर बाहरी या आतंरिक दबावों के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (2 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी भी एक हिस्से के लिए संक्षिप्त उत्तर लिखने पर अथवा	4

	लेखन-प्रक्रिया के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	खंड 'घ' (रचनात्मक लेखन)	**20**
12.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	6
13. (i) **अथवा** (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (पता, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने, सेवा में आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ।	5

	• प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	
14. (i)

(i)	**विज्ञापन-लेखन :** • रचनात्मकता = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • समग्र प्रभाव = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक प्रस्तुति पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा प्रयोग/प्रस्तुति; दोनों स्तरों पर रचनात्मकता के प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • विज्ञापन में आकर्षक भाषिक प्रयोग के उद्देश्य से किए गए अन्य भाषाओं के शब्दों का प्रयोग स्वीकार्य है। • विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ।	
अथवा		
(ii)	**संदेश-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक प्रस्तुति पर पूरे अंक दिए जाएँ। • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रारूप में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (संबोधन, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	